भाग-3 (8+8=16M)

प्रश्न संख्या : 12 - अ, आ (पद्यभाग सारांश) 8M

बरसते बादल (8M)

उ- **परिचय:** यह प्रश्न "बरसते बादल" पाठ से दिया गया है।

पाठ का नाम : बरसते बादल
विधा : कविता
कवि का नाम : सुमित्रानंदन पंत जी
जीवन काल :1900-1977
प्रमुख रचनाएँ : चिदंबरा
पुरस्कार : ज्ञान पीठ (चिदंबरा)

सारांश : ★ वर्षा ऋतु हमेशा सब की प्रिय ऋतु रही है। सावन के महीने में मेघ झम झम बरसते हैं।

★ वर्षा के समय प्रकृति की सुंदरता देखने लायक होती है।

★ पेड-पौधे, पशु-पक्षी, मनुष्य और यहाँ तक की धरती खुशी से झूम उठते हैं।

★ आकाश में बिजली चमचम चमकती है।

★ पानी बरसते समय मेंढक खुशी से टर्राते हैं। मोर कूकते हुए नाचने लगते हैं।

★ बारिश की धारा को पकड़ कर मन झूलने लगता है।

★ प्रकृति में रहनेवाला हर प्राणी वर्षा पर निर्भर रहता है। पानी के बिना मानव, पशु पक्षी और पेड-पौधे जीवित नहीं रह सकते।

★वर्षा से नदियाँ भरती हैं। वह पानी फसलों के लिए काम आता है। अतः वर्षा सभी प्राणियों के लिए जीवन का आधार है।

विशेषता: इसी सौंदर्य का वर्णन यहाँ प्रस्तुत करते हुए कहते हैं कि सब के मन को भानेवाला यह श्रावण मास हमारे जीवन में फिर-फिर आयें।

कण-कण का अधिकारी

उ- यह प्रश्न "कण-कण का अधिकारी" पाठ से दिया गया है।

पाठ का नाम : कण-कण का अधिकारी
कवि का नाम : डॉ. रामधारी सिंह दिनकर जी
जीवन काल : 1908-1974
रचनाएँ : ऊर्वशी, कुरुक्षेत्र, रेणुका आदि।
पुरस्कार : ज्ञानपीठ - ऊर्वशी

★इस कविता में कवि ने मेहनत करनेवाले व्यक्तियों की महानता के बारे में कहा।

★ मेहनत ही सफलता की कुंजी है।

★कुछ लोग पाप करके धन कमाते हैं।

★उस धन को कुछ लोग भाग्यवाद के छल से भोगते हैं।

★नर समाज का भाग्य श्रम और भुजबल ही है।

★श्रामिक के सम्मुख भूमि और आकाश झुकते हैं।

★परिश्रमी मानव ने श्रमजल दिया उसे आगे रखना है।

★प्रकृति में छिपी हर संपदा मनुष्य का धन है।

★श्रामिक व्यक्ति कण कण का अधिकारी है।

विशेषता: : जो श्रम करके सफलता पाता है, वही कण कण का अधिकारी है। इस सारा संसार श्रम पर ही - टिका हुआ है।

प्रश्न संख्या : 13 - अ, आ (गद्यभाग सारांश) 8M

ईदगाह (8M)

उ-परिचय- यह प्रश्न "ईदगाह" पाठ से दिया गया है।

पाठ का नाम	: ईदगाह
लेखक	: प्रेमचंद जी
जन्म	: 1880-1936
प्रमुख रचनाएँ	: 12 उपन्यास, गोदान, गबन, निर्मला
उपाधि	: उपन्यास सम्राट

★ हामिद 4-5 साल का लड़का था।

★ उसके माता-पिता मर गये थे।

★ इसलिए दादी अमीना के पास रहता था।

★ ईद के दिन मित्रों से मिलकर ईदगाह जाता था।

★ सभी बच्चे मिठाइयाँ और खिलौने खरीदते थे।

★ हामिद के पास 3 पैसे थे।

★ लेकिन हामिद ने अपनी दादी के लिए चिमटा खरीदा।

★ क्योंकि रोटियाँ सेंकते समय दादी की उँगलियाँ जल जाती थीं।

★ चिमटा देखकर अमीना का मन गदगद हो गया और उसकी आँखों से आँसू बहने लगे।

विशेषता- इस पाठ में बताया गया है कि बड़े-बुजुर्गों के प्रति प्रेम, सेवा और सम्मान करना हमारा कर्तव्य है।

लोकगीत

उ- परिचय: यह प्रश्न" लोकगीत "पाठ से दिया गया है।

पाठ का नाम	: लोकगीत
लेखक	: भगवतशरण उपाध्याय जी
जीवनकाल	:1910-1982
रचनाएँ	: कालिदास का भारत, गंगा गोदावरी

★ लोकगीत सीधे जनता के संगीत है।

★ इनके रचनेवाले गाँव के स्त्री-पुरुष हैं।

★ ये साधारण ढोलक, झाँझ, करताल, बाँसुरी आदि की मदद से गाये जाते हैं।

★ स्त्रियाँ ढोलक की मदद से गाती हैं।

★ पहाडियों के अपने लोकगीत हैं।

★ आल्हा एक सुप्रसिद्ध लोकगीत हैं।

★ बारहमासा - उत्तर प्रदेश, बिदेसिया-भोजपुरी, माहिया-पंजाबी, ढोला- मारू - राजस्तान, बाउल-बंगाल में लोकप्रिय लोकगीत हैं।

★ लोकगीत स्वच्छ जीवन के प्रतीक हैं।

विशेषता: इस प्रकार लोकगीत ग्रामीण जीवन का सजीव और मनोरंजक माध्यम हैं।

HAMARI HINDI

जल ही जीवन

उ- परिचय: यह प्रश्न "जल ही जीवन है" पाठ से दिया गया है।

पाठ का नाम : जल ही जीवन है।

कहानीकार : श्री प्रकाश जी

रचनाएँ : संचार माध्यमों के लिए विज्ञान

विषय विस्तार:

★ जल ही जीवन है। अर्थात "पानी ही सब कुछ है।" पानी के बिना प्राणी नहीं रह सकते।

★ जल हमारे जीवन का प्रमुख आधार है। जल के बिना हमारा जीवन ही नहीं है।

★ आजकल स्वच्छ जल का अभाव बड़ी समस्या बनता जा रहा है।

★ सर्वेक्षण में बताया गया कि पृथ्वी पर निरंतर पानी की कमी होती जा रही है।

★ इस पाठ में बताया गया कि अंतरिक्ष यात्री हमारे नील ग्रह से पानी ले जा रहे हैं।

जल संरक्षण के उपाय :-

★ पानी का सदुपयोग करें। पानी का प्रदूषण न करें। जल को साफ रखे, गंदा न करें।

★ जल स्तोत्रों को साफ रखें। जल संरक्षण के लिए सबको अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए।

★ जल के बिना जीव राशियों का अस्तित्व नहीं है। हमारे लिए आवश्यक आहार पदार्थों के उत्पादन में जल का मुख्य पात्र है।

विशेषता: हमें जल का अपव्यय नहीं करना चाहिए। जल बचाना ही जीवन बचाना है।

HAMARI HINDI